हिंदी `अ'
सी.बी.एस.ई.
प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र, 2021-22
द्वितीय सत्र
(14 जनवरी, 2022 को बोर्ड द्वारा प्रेषित)

हल सहित

समय : 2:00 घण्टे | पूर्णांक : 40

सामान्य निर्देश :

- **इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं— खंड 'क' और खंड 'ख'।**
- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार ही लिखिए।**
- **लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए।**
- **खंड-'क' में कुल 3 प्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए इनके उपप्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **खंड-'ख' में कुल 4 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए चारों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

खण्ड–`क'
(पाठ्य–पुस्तक व पूरक पाठ्य–पुस्तक)

(20 अंक)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— [2 × 4 = 8]

(क) 'फादर कामिल बुल्के संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं।' लेखक के इस कथन के आधार पर सिद्ध कीजिए कि फादर का जीवन परम्परागत संन्यासियों से किस प्रकार अलग था?

(ख) फादर की उपस्थिति लेखक को देवदार की छाया के समान क्यों लगती थी? पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) क्या सनक सकारात्मक भी हो सकती है? सकारात्मक सनक की जीवन में क्या भूमिका हो सकती है? सटीक उदाहरण द्वारा अपने विचार प्रकट कीजिए।

(घ) 'लखनवी अंदाज' शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— [2 × 3 = 6]

(क) 'उत्साह' कविता के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किया गया है? उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

(ग) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में कोरी भावुकता न होकर जीवन में संचित किए अनुभवों की अनिवार्य सीख है? कविता के नाम के साथ कथन की पुष्टि के लिए उपयुक्त तर्क भी प्रस्तुत कीजिए।

(घ) इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता की अंतिम पंक्तियाँ आपको प्रभावित करती हैं और क्यों? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— [3 × 2 = 6]

(क) 'माता का अंचल' पाठ में वर्णित बचपन और आज के बचपन में क्या अंतर है? क्या इस अंतर का प्रभाव दोनों बचपनों के जीवन मूल्यों पर पड़ा है? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए बताइए कि मानसिक पराधीनता से मुक्ति पाना क्यों आवश्यक है?

(ग) नदी, फूलों, वादियों और झरनों के स्वर्गिक सौंदर्य के बीच किन दृश्यों ने लेखिका के हृदय को झकझोर दिया? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

खण्ड–`ख'
(रचनात्मक लेखन खंड)

(20 अंक)

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– 5

(क) कोरोना काल और ऑनलाइन पढ़ाई

संकेत बिन्दु– * भूमिका * लॉकडाउन की घोषणा * ऑनलाइन कक्षाओं का आरम्भ, इसके लाभ * ऑफलाइन कक्षाओं से तुलना * तकनीकी से जुड़ी बाधाएँ * निष्कर्ष।

(ख) मानव और प्राकृतिक आपदाएँ

संकेत बिन्दु–* भूमिका * प्रकृति और मानव का नाता * मानव द्वारा बिना सोचे-विचारे प्रकृति का दोहन * कारण एवं प्रभाव * प्रकृति के रौद्र रूप के लिए दोषी कौन? * निष्कर्ष।

(ग) सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा

संकेत बिन्दु–* भूमिका * सड़क सुरक्षा से जुड़े कुछ प्रमुख नियम * सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी से होने वाली हानियाँ * इन्हें अपनाने के लाभ * निष्कर्ष।

5. आपकी चचेरी दीदी कॉलेज में दाखिला लेना चाहती हैं, किन्तु आपके चाचाजी आगे की पढ़ाई न करवाकर उनकी शादी करवाना चाहते हैं। इस बारे में अपने चाचाजी को समझाते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान का संचालक गरीबों के लिए आए अनाज की कालाबाज़ारी करता है और कुछ कहने पर उन्हें धमकाता है। उसकी शिकायत करने हेतु लगभग 120 शब्दों में ज़िलाधिकारी को पत्र लिखिए।

6. (क) आपको अपना फ्लैट किराए पर देना है। इसके लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

आपकी दीदी ने संगीत कला केन्द्र खोला है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) सामाजिक संस्था 'सवेरा' के नशा-मुक्ति जागरूकता अभियान के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **2.5**

अथवा

बहुत कम कीमत में स्मार्ट-फोन बनाने वाली कम्पनी के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

7. (क) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई) में पहला स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए। **2.5**

अथवा

साहसिक कार्य के लिए बाल वीरता पुरस्कार से सम्मानित होने वाले अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

(ख) केरल के निवासी अपने मित्र को ओणम के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए। **2.5**

अथवा

भैया-भाभी की पहली वैवाहिक वर्षगाँठ पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

●●

उत्तरमाला

खण्ड–`क'
(पाठ्य-पुस्तक व पूरक पाठ्य-पुस्तक)

(20 अंक)

1. (क)

- संन्यासी के परम्परागत स्वरूप में मोह त्यागकर सामान्यत: समाज से पलायन कर जाने की प्रवृत्ति।
- फादर कामिल बुल्के द्वारा परम्परागत संन्यासी प्रवृत्ति से अलग नई परम्परा की स्थापना।
- कॉलेज में अध्ययन एवं अध्यापन : प्रियजनों के प्रति मोह, प्रेम व अपनत्व।
- प्रियजनों के घर समय-समय पर आना-जाना, संकट के समय सहानुभूति रख उन्हें धैर्य बँधाना आदि।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

लेखक के अनुसार फादर कामिल बुल्के केवल संकल्प के संन्यासी थे मन से नहीं। संन्यासी के परंपरागत स्वरूप में मोह त्याग कर समाज से पलायन कर जाने की प्रवृत्ति होती है किंतु फादर में एक सच्चे संन्यासी के समान मानवीय गुणों का समावेश था। वे परोपकारी थे। उन्होंने परंपरागत संन्यासी से अलग एक नई परंपरा की स्थापना की। उन्होंने आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से कॉलेज में अध्ययन एवं अध्यापन कार्य किया। अपने सभी प्रिय जनों के प्रति उनके मन में मोह, प्रेम और अपनत्व का भाव था। वे सभी के घर समय-समय पर आते-जाते और संकट के समय उनके प्रति सहानुभूति रखकर उन्हें ढाँढस बँधाते थे।

(ख)
- मानवीय गुणों से परिपूर्ण व्यक्तित्व व सबके लिए कल्याण की कामना।
- परम हितैषी के समान लोगों को आर्शीवचनों से सराबोर कर देना।
- भरपूर वात्सल्य से भरी नीली आँखों में तैरता अपनापन।
- उपर्युक्त कारणों से फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगना।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

फादर कामिल मानवीय गुणों से युक्त आदर्श व्यक्तित्व थे। जिनके मन में सबके प्रति कल्याण की भावना थी। उनकी वात्सल्य भाव से परिपूर्ण नीली आँखों में तैरता अपनत्व मन को शांति प्रदान करता था। फादर अपने प्रिय जनों के घर घरेलू संस्कारों में पुरोहित और अग्रज की तरह उपस्थित होकर सबको आशीर्वचनों से भर देते थे। जिस प्रकार देवदार का विशाल वृक्ष सबको छाया और शीतलता प्रदान करता है उसी प्रकार लेखक को फादर की उपस्थिति देवदार के सघन वृक्ष की छाया के समान शीतलता ,संरक्षण तथा मन को शांति प्रदान करने वाली प्रतीत होती थी। **2**

(ग)
- सनक अर्थात् धुन का पक्का होना, लगन, मेहनत तथा ईमानदारी से काम करने की सनक सकारात्मक सनक।
- वैज्ञानिक, महापुरुषों तथा समाज सेवियों के उदाहरण।
- आजादी के मतवाले क्रांतिकारी, सामाजिक बुराइयों को समूल नष्ट करने की ठानने वाले समाज सुधारक।
- पहाड़ काटकर रास्ता बनाने वाले दशरथ माँझी जैसे सकारात्मक सनक वाले व्यक्तियों के उदाहरण।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

हाँ ,सनक का सकारात्मक रूप भी होता है। सनक अर्थात् धुन का पक्का होना। ऐसी सापेक्ष सनक अर्थात् लगन, मेहनत तथा ईमानदारी से काम करने की सनक सकारात्मक होती है और उसके परिणाम भी अच्छे निकलते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। आचार्य चाणक्य ऐसी सकारात्मक सनक से युक्त महापुरुष थे। उन्होंने बड़ी-बड़ी विपदाओं की चिंता किए बिना एक सामान्य बालक को सम्राट बनाने की ठान ली और वही हुआ। यह बछेंद्री पाल की सकारात्मक सनक ही थी कि उन्हें एवरेस्ट की चोटी तक पहुँचा दिया। महात्मा गांधी की सनक ने बिना हथियारों के अंग्रेजों की दासता से भारत को मुक्ति दिलाई। आजादी के मतवाले क्रांतिकारियों को आजादी प्राप्त करने की सकारात्मक सनक थी। सामाजिक बुराइयों को समूल नष्ट करने की ठानने वाले, समाज का नव-निर्माण करने वाले समाज-सुधारक ऐसे ही सकारात्मक सनक के उदाहरण हैं।

(घ)
- विषय-वस्तु से शीर्ष के पूरी तरह मेल खाने में ही शीर्षक की सार्थकता।
- 'लखनवी अंदाज' शीर्षक के कथान से पूर्णत: संबंद्धता।
- झूठी नवाबी शान, दिखावा, सनक, नजाकत आदि का वर्णन।
- लेखक को दिखाने के लिए खीरे की फाँके सूँघकर खिड़की से बाहर फेंकने वाली घटना का उल्लेख आदि।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

'लखनवी अंदाज' कहानी का पूर्ण कथानक लखनऊ के रईस नवाब के खानदानी नवाबी अंदाज के प्रदर्शन को व्यक्त करता है। वर्षों पूर्व नवाबी छिन जाने के बावजूद आज भी वे लोग अपनी झूठी शान और तौर-तरीकों का ही दिखावा करते हैं। कहानी में नवाब साहब द्वारा खीरे को सूँघ कर स्वाद का आनंद लेना और उदर की तृप्ति हो जाने की घटना उनकी इसी झूठी नवाबी शान को व्यक्त करती है। विषय वस्तु से शीर्षक के पूरी तरह मेल खाने में ही शीर्षक की सार्थकता है। इस दृष्टि से कहानी का शीर्षक पूर्णता सार्थक है।

2. (क)
- 'उत्साह' कविता का आह्वान गीत।
- कविता समाज में क्रांति और उत्साह की भावना का संचार करने के उद्देश्यपरक सृजन से प्रेरित।
- बादल की गर्जना व क्रांति के माध्यम से लोगों के जीवन में उत्साह का संचार, प्रकृति में नव-जीवन का समावेश, क्रांति चेतना का शंखनाद आदि शीर्षक की सार्थकता के आधार पर।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

यह कविता एक आह्वान गीत है। आह्वान गीत उत्साह का संचार करने के उद्देश्य से लिखे जाते हैं। कवि ने बादलों की गर्जना को उत्साह का प्रतीक माना है। बादलों की गर्जना नवसृजन, नवजीवन का प्रतीक है। कवि अपेक्षा करता है कि लोग बादलों की गर्जना से उदासीनता छोड़ उत्साहित हो जाएँगे। प्रकृति में नव-जीवन के समावेश और जनमानस में क्रान्ति चेतना के शंखनाद के लिए 'उत्साह' की आवश्यकता होती है। ऐसी अपेक्षा करते हुए ही कवि ने कविता का शीर्षक 'उत्साह' रखा है जो पूर्णत: सार्थक है।

(ख)
- निराला कृत 'अट नहीं रही है' कविता में चित्रित फागुन के अप्रतिम सौंदर्य की अपने शब्दों में कलात्मक अभिव्यक्ति।
- फागुन की सर्वव्यापक आभा एवं उसके अद्भुत सौंदर्य की व्यापकता का उल्लेख।

- प्रकृति में सौंदर्य व उल्लास का समावेश, कण-कण का फागुन के रंग में रंग जाना आदि।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

इस सत्र में पढ़ी गयी कविता 'अट नहीं रही है' में कवि निराला ने फागुन मास में प्रकृति की सुंदरता एवं व्यापकता का वर्णन किया है। फागुन में वृक्षों की डालियाँ हरे और लाल नव-पल्लवों और रंग-बिरंगे पुष्पों से लद जाती हैं। सुवासित पवन, उल्लास पूर्ण वातावरण और फागुन की सुंदरता का प्रभाव मनुष्यों के मन पर भी पड़ता है। चारों ओर उल्लास और उत्साह दिखाई देता है। प्रकृति का सौंदर्य कहीं साँस लेता हुआ तो कहीं आकाश में उड़ता हुआ सर्वत्र दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो फागुन स्वयं अपने सौंदर्य को समेट नहीं पा रहा।

(ग)

- ऋतुराज कृत 'कन्यादान' कविता - विदाई के समय माँ की केवल भावुकता का प्रदर्शन नहीं।
- जीवन में संचित अनुभव पर आधारित उपदेश - सौंदर्य व वस्त्राभूषणों पर न रीझना, मानसिक रूप से दृढ़ बनना आदि।
- स्वयं को किसी के सामने लड़की जैसा न दिखाने आदि की व्यावहारिक सीख।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

ऋतुराज कृत 'कन्यादान' कविता में वर्णित माँ परंपरागत माँ से पूर्णता भिन्न है। वो आज के समाज में फैली विकृतियों और नारी के साथ हो रहे शोषण के प्रति सचेत है। इसीलिए वह अपनी बेटी की विदाई के समय कोरी भावुकता का प्रदर्शन नहीं करती बल्कि अपने जीवन में संचित अनुभवों के आधार पर वह उसे सौंदर्य व वस्त्र आभूषणों पर न रीझने और मानसिक रूप से दृढ़ बनने का संदेश देती है। साथ ही वह बेटी को नम्रता और संस्कार युक्त होने के साथ-साथ स्वयं को किसी के सामने लड़की जैसी अबला न दिखाने और शोषण का शिकार न होने की व्यावहारिक सीख भी देती है।

(घ)

- **'कन्यादान'** - 'आग रोटियाँ.....जीवन के।।'
- **'उत्साह'** - 'विकल-विकल.....गरजो।।'
- **अट नहीं रही** - 'कहीं पड़ी है.....पट नहीं रही है।।'
- इनमें से किसी एक कविता की उल्लिखित अंतिम काव्य-पंक्तियों के प्रभावित करने व प्रिय हाने के कारणों का तर्क सहित उल्लेख।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2

व्याख्यात्मक हल:

(घ) इस सत्र में पढ़ी गयी 'अट नहीं रही है' कविता की अंतिम पंक्तियों –

'कहीं पड़ी उर में , मंद-गंध -पुष्प-माल
पाट-पाट शोभा, श्री, पट नहीं रही है।

ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसमें कवि ने फागुन मास में प्रकृति की सुंदरता का व्यापक, सजीव एवं चित्रात्मक वर्णन किया है। फागुन मास में प्राकृतिक सौन्दर्य अपने चरम पर होता है। पतझड़ में ठूँठ बने वृक्षों की डालियाँ वसंत ऋतु के आते ही हरे और लाल नव-पल्लवों और रंग-बिरंगे पुष्पों से लद जाती हैं। चारों ओर का वातावरण पुष्पों की सुगंध से सुवासित हो जाता है। रंग-बिरंगे सुन्दर फूलों से सजे वृक्षों को देखकर ऐसा लगता है मानो उनके गले में सुंदर पुष्पों की माला पड़ी हो। कवि की यह कल्पना बहुत प्रभावी बन पड़ी है।

3. (क)

- खेल-खिलौने व खेलने के स्थान में अंतर, पहले खेत-खलिहानों व खुले में खेलने की जगह बचपन का अब घर या अपने कमरे तक सीमित हो जाना।
- पहले बचपन को संयुक्त परिवार का प्रेम व समय मिलना, अब एकल परिवार में कामकाजी माँ-बाप के जाने के बाद एकाकीपन।
- पहले बड़ों के प्रेम के साथ-साथ संस्कार मिलना, अब माता-पिता की व्यस्तता से संस्कारों में गिरावट आना।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]3

व्याख्यात्मक हल:

'माता का अंचल' पाठ में वर्णित बचपन से आज के बचपन में बहुत अधिक अंतर आ गया है।पहले बच्चे सामूहिक रूप से घर के आसपास स्वच्छंद खुले वातावरण और प्राकृतिक परिवेश में खेलते थे किंतु अब वे केवल अपने घर या अपने कमरे तक सीमित होकर रह गए हैं। उनके खेलने की सामग्री भी भिन्न है। ऐसे में बच्चे प्राकृतिक परिवेश से दूर होते जा रहे हैं। साथ ही उनमें परस्पर सामंजस्य और सहयोग भावना का भी अभाव हो रहा है। पहले बचपन को संयुक्त परिवार का प्रेम ,संरक्षण और समय प्राप्त होता था। आज एकल परिवार में रहने के कारण कामक. ाजी माता- पिता के कार्य पर चले जाने के बाद बच्चे एकाकीपन का अनुभव करते हैं। ऐसे में बच्चे केवल टी.वी. देखकर या मोबाइल पर गेम खेलकर अपनी शाम और समय बिताते हैं। पहले बड़ों के संरक्षण में रहकर उन्हें बड़ों से स्नेह के साथ-साथ कहानियों के माध्यम से उचित जीवन मूल्य और संस्कार भी प्राप्त होते थे किंतु अब माता-पिता की व्यस्तता में बच्चों को समय न दिए जाने के कारण बच्चों में उचित संस्कारों और बड़ों का आदर, परस्पर सहयोग और सम्मान भावना जैसे जीवन मूल्यों का अभाव दिखाई देता है।

(ख)

- सत्ता से जुड़े लोगों को मानसिक पराधीनता का शिकार होना।
- सरकारी तंत्र में नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार व्याप्त होना।
- देश के सच्चे विकास व आम जनता के सच्चे सम्मान व स्वाभिमान की रक्षा के लिए मानसिक पराधीनता से मुक्ति पाना आवश्यक।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]3

व्याख्यात्मक हल:

जॉर्ज पंचम की नाक एक व्यंग्यात्मक निबंध है। इसमें लेखक ने तत्कालीन सरकार की मानसिक परतंत्रता और औपनिवेशिक दौर के विदेशी आकर्षण पर गहरी चोट की है। अंग्रेजी हुकूमत से आजादी मिलने के बाद भी सत्ता से जुड़े लोग मानसिक पराधीनता का शिकार हैं। इसी कारण जिन अंग्रेजों ने हम पर इतने जुल्म किए उनके स्वागत में लोग पलकें बिछाए बैठे हैं। साथ ही सरकारी तंत्र में नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार व्याप्त है। किसी भी समस्या के आने पर एक विभाग दूसरे पर अपनी जिम्मेदारी डालकर स्वयं छुटकारा पाने की कोशिश करता है। अफसरों में चापलूसी की प्रवृत्ति व्याप्त है। लेखक इस मानसिक परतंत्रता पर व्यंग्य करते हुए हमें सचेत करते हैं देश के सच्चे विकास और आम जनता के सच्चे सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए मानसिक पराधीनता से मुक्ति पाना अत्यंत आवश्यक है।

(ग)

- आजीविका के लिए स्थानीय महिलाओं का अपनी पीठ पर बच्चे लादकर मार्ग बनाने के लिए पत्थर तोड़ने की विवशता।
- उस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच भूख, दैन्य और जीवित रहने के लिए लड़ी जाने वाली जीवन के जंग।
- संवेदनाओं को झकझोर देने वाली अनुभूति।

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]3

व्याख्यात्मक हल:

प्राकृतिक सौंदर्य के अलौकिक आनंद में डूबी लेखिका को निम्नलिखित दृश्य झकझोर गए- 'कुछ पहाड़ी स्त्रियाँ आजीविका कमाने के लिए पीठ पर बच्चे को लादकर कठोर पत्थरों पर बैठकर पत्थरों को ही तोड़ रही थीं। उनके कोमल काया और हाथों में कुदाल और हथौड़े का दृश्य लेखिका के अंतर को झकझोर गया। वे मानो पहाड़ी हिम-शिखरों से टक्कर लेने जा रही थीं। 'उन्होंने देखा कि सात-आठ वर्ष की उम्र के ढेर सारे पहाड़ी बच्चे तीन-साढ़े तीन किलोमीटर की पहाड़ी चढ़कर स्कूल जाते और वहाँ से लौटकर माँ के साथ मवेशी चराते, पानी भरते और लकड़ियों के गट्ठर ढोते हैं।

'चाय के हरे भरे बागानों में युवतियों का बोकु पहने चाय की पत्तियाँ तोड़ना और सूरज ढलने के समय पहाड़ी औरतों का सिर पर भारी-भरकम लकड़ियों का गट्ठर लेकर गाय चराते हुए लौटना आदि लेखिका के हृदय को झकझोर देने वाले ये दृश्य उस स्वर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य के बीच भूख ,मौत, दैन्य और जिंदा रहने की जंग को दर्शा रहे थे।

खण्ड-'ख'
(रचनात्मक लेखन खंड)

(20 अंक)

4. (क) दिए गए तीन अनुच्छेदों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लेखन :

भूमिका	1 अंक
विषय-वस्तु	3 अंक
भाषा	1 अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]5

व्याख्यात्मक हल:

कोरोना काल और ऑनलाइन पढ़ाई

वैश्विक महामारी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए 24 मार्च, 2020 को देश भर में लॉकडाउन लागू किया गया। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा प्राप्ति की अनिवार्यता और आवश्यकता को देखते हुए राज्यों की सरकारों द्वारा स्कूली शिक्षा को ऑनलाइन करने का प्रावधान शुरू किया गया। इसके लिए आवश्यक था कि शिक्षकों को इस नई तकनीक से जोड़कर अध्यापन कार्य में सक्षम बनाया जाए। इसके लिए एनजीओ फाउंडशन और निजी क्षेत्र की तकनीकी शिक्षा कंपनियों को भी भागीदार बनाया गया। इन सब ने मिलकर शिक्षा प्रदान करने के लिए संवाद के सभी उपलब्ध माध्यमों जैसे टी.वी., डीटीएच चैनल, रेडियो प्रसारण व्हाट्सएप और एस एम् एस ग्रुप और प्रिंट मीडिया का भी सहारा लिया। कई संगठनों ने नए अकादमी वर्ष के लिए किताबें भी वितरित कर दीं। उस समय उच्च शिक्षा का क्षेत्र स्कूली शिक्षा की अपेक्षा में इन नई चुनौतियों से निपटने के लिए बहुत कम तैयार था। कक्षाओं में सुचारू रूप से पढ़ाई के स्थान पर अचानक ऑनलाइन माध्यम से स्थानांतरित होने से शिक्षा प्रदान करने का स्वरूप बिल्कुल बदल गया। यद्यपि संरक्षण एवं सुरक्षा की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षण बहुत लाभकारी रहा। बच्चे अपने घर पर ही ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। किंतु ऑनलाइन शिक्षण में विद्यार्थियों को अध्यापकों के साथ विचारों के आदान-प्रदान का मौका नहीं मिलता। मोबाइल, लैपटॉप और टेबलेट का ज्यादा उपयोग बढ़ गया है। जिससे विद्यार्थियों का स्क्रीन टाइम बढ़ने से आँखों पर विपरीत असर पड़ रहा है। इस शिक्षण प्रणाली के सुचारू रूप से कार्यान्वयन में निम्न आर्थिक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मोबाइल की उपलब्धता भी एक बड़ी चुनौती है। जहाँ माता-पिता अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहते थे वहीं ऑनलाइन कक्षाओं में बच्चों को मोबाइल ही दिया जा रहा है। ऐसे में माता-पिता भी दुविधा में हैं। बच्चों को पढ़ाना भी जरूरी है लेकिन साथ ही उनकी सेहत भी अपनी जगह महत्वपूर्ण है। बच्चा इसको कितना समझ

पा रहा है यह देखना भी आवश्यक है। लंबे समय तक मोबाइल का इस्तेमाल करने से मोबाइल गर्म हो जाते हैं और ऐसे में दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। किंतु वर्तमान में बार-बार कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए जबकि लगभग पिछले 2 वर्षों से विद्यार्थी विद्यालय नहीं जा पा रहे हैं ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण शिक्षा प्राप्त करने का एक उचित और सशक्त माध्यम बन गया है।

(ख) मानव और प्राकृतिक आपदाएँ

प्रकृति मानव के अस्तित्व का आधार है उसके बिना मानव के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। प्रकृति अनेक रूपों में मानव का पोषण करती है उसके खाने, पहनने और रहने की व्यवस्था प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति द्वारा ही की जाती है किंतु आज मानव प्रकृति के महत्व को भूलकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप हमें अनेक प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूस्खलनसुनामी, भूकंप, बाढ़ ,सूखे आदि प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। प्राकृतिक आपदा प्रकृति का मानव के प्रति रोष है जिसकी अभिव्यक्ति क्षण भर में इस पृथ्वी से मानव के अस्तित्व को मिटाने की क्षमता रखती है। प्राकृतिक कारण ों के साथ-साथ मनुष्य भी पर्यावरणीय असंतुलन के लिए उतना ही उत्तरदायी है। आपदा आने पर प्रकृति का तांडव देख मानव सिहर उठता है किंतु जनजीवन के सामान्य होते ही सब कुछ भूल जाता है। आज मानव वृक्षों की तेजी से कटाई, और पर्यावरण प्रदूषण फैला कर अपने क्षणि ाक सुख के लिए प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उत्तराखंड में घटी आपदा दैवीय प्राकृतिक आपदा न होकर मानव निर्मित आपदा है जिसका विकास परियोजनाओं से ,बड़े बाँधों आदि से सीधा संबंध है। विकास के नाम पर पहाड़ों को चीरकर चौड़ी सड़कें बनाई जा रही हैं, नदियों का स्वाभाविक मार्ग बदला जा रहा है, वनों की निर्ममता पूर्वक कटाई की जा रही है ,नदियों को बांधकर बड़ी-बड़ी जल विद्युत परियोजनाएँ लागू की जा रही हैं। ऐसे में प्रकृति का रोष प्रकट करना स्वाभाविक ही है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने का मुख्य दायित्व राज्य सरकार का है आज ऐसे उपायों की बहुत आवश्यकता है जिन की योजना पहले से बनाई गई हो सबको उनकी जानकारी हो ताकि आवश्यकता के समय उनका उपयोग किया जा सके। मौसम की चेतावनी देकर प्राथमिक उपचार के बारे में विशेष प्रशिक्षण देकर और बचाव कार्य की जागरूकता के द्वारा लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है। आपदारोधी इमारतों का निर्माण करना इमारतों की मरम्मत और उनका नवीनीकरण भी बहुत आवश्यक है। प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में हम सबकी बराबर की भागीदारी है। हमें अपने मोहल्ले के लोगों के साथ मिलकर पहले से ही सुरक्षा योजनाएँ बनाकर समय-समय पर उनका अभ्यास करना चाहिए। लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने चाहिए। विद्यालय में बच्चों को जागरूक किया जाना चाहिए हम प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते किंतु उचित जानकारी समुचित व्यवस्था और संगठन के हानिकारक प्रभाव को कम अवश्य कर सकते हैं। अत: हमें प्रकृति का संरक्षण करते हुए उससे अपना मित्रतापूर्ण संबंध कायम करना होगा पर्यावरण संरक्षण नियमों का कड़ाई से अनुपालन करना चाहिए तभी हम आने वाले खतरों से खुद को बचा सकते हैं।

(ग) सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा

आज जिधर भी नजर दौड़ाई जाए सभी सडकें पूरे दिन के लिए व्यस्त होती हैं। वाहन अपनी उच्च गति से दौड़ते हैं। आज सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा नियमों का अनुसरण करना अत्यंत आवश्यक है। सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। सभी को सड़क यातायात नियमों की जानकारी होनी चाहिए। विश्व स्वास्थ संगठन 2008 में आंकड़ों के अनुसार ऐसा पाया गया है कि अस्पतालों में अधिकतर भर्ती होने और मृत्यु की मुख्य वजह सड़क दुर्घटनाएँ ही हैं। सड़क पर यात्रा करते समय सभी लोगों को सुरक्षित रखने के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का अनुसरण करना बहुत आवश्यक है। सभी को गाड़ी चलाते समय पैदल चलने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सड़क पर चलने वाले सभी व्यक्तियों को अपने बाएं तरफ होकर चलना चाहिए। सड़क पर गाड़ी घुमाते समय गति धीमी रखनी चाहिए और अधिकृत सड़कों और रोड जंक्शन पर चलते समय ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। दो पहिया वाहन चालकों को अच्छी गुणवत्ता वाले हेलमेट पहने चाहिए और गाड़ी की गति निर्धारित सीमा पर ही रखनी चाहिए। सभी वाहनों को दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सड़क पर चलने वाले सभी लोगों को रोड पर बने निशान और नियमों की जानकारी होनी चाहिए। यात्रा के दौरान सड़क सुरक्षा के नियम और कानूनों को हमें सदैव ध्यान में रखना चाहिए। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों और मोबाइल का प्रयोग न करें। सामान्य जनता के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना, पाठ्यक्रम में मूल सड़क सुरक्षा पाठ जोड़ने के द्वारा

सुरक्षा नियमों की जानकारी देना, ग्रीन क्रॉस कोड अर्थात् रुको, देखो और सुनो फिर पार करो के बारे में लोगों को जागरूक कराना आवश्यक है। हमें अपने वाहन के बारे में मूल जानकारी होनी चाहिए साथ ही दूरदर्शन और रेडियो के माध्यम से भी डॉक्यूमेंट्री बनाकर सड़क सुरक्षा नियमों का प्रसारण करना चाहिए। हर एक व्यक्ति को किसी मान्यता प्राप्त स्कूल के द्वारा अधिकृत प्रशिक्षकों के निर्देशन में रक्षात्मक वाहन चालन कोर्स अवश्य पास करना चाहिए। कई बार लोग लंबे समय तक अपनी निजी वाहनों को बिना किसी नियमित रखरखाव और मरम्मत के उपयोग करते हैं ऐसे वाहन हमारे जीवन के लिए खतरा बन जाते हैं अत: यह आवश्यक है कि समय से वाहनों की मरम्मत के साथ-साथ उनकी ठीक से कार्य करने की स्थिति के प्रति भी हम आशवस्त रहें। किसी भी यात्रा पर जाने से पहले प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, आपातकालीन टूल उचित बचाव उपकरण रखने के साथ-साथ वाहन की भी पूरी जाँच करनी चाहिए। सड़क सुरक्षा में ही हमारे जीवन की रक्षा है।

5. दिए गए दो पत्रों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लेखन :

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ	1 अंक
विषय-वस्तु	3 अंक
भाषा	1 अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]5

व्याख्यात्मक हल:

पत्र लेखन

35, अशोक विहार
नई दिल्ली
दिनांक.....
आदरणीय चाचा जी
सादर चरण स्पर्श

आशा है आप सपरिवार सकुशल होंगे। हम लोग भी यहाँ ठीक हैं। चाचा जी मुझे कल ही स्नेहा का पत्र प्राप्त हुआ जिससे मुझे ज्ञात हुआ कि वह आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज में दाखिला लेना चाहती है किंतु आप इसके लिए सहमत नहीं हैं और उसका विवाह करके अपने दायित्व से मुक्त होना चाहते हैं। चाचा जी स्नेहा सदैव एक कुशाग्र छात्रा रही है और उसने अपनी 12वीं की परीक्षा जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर बहुत अच्छे अंको से उत्तीर्ण की है। ऐसे में इतनी अल्प आयु में उसका विवाह कर देना उचित नहीं है। अब तो सरकार द्वारा भी लड़कियों की विवाह योग्य 18 साल की उम्र को बढ़ाकर 21 वर्ष किए जाने से संबंधित विधेयक संसद में पेश किया गया है। अत: कानूनी दृष्टि से भी यह अनुचित होगा। मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया आप स्नेहा को आगे पढ़ने की अनुमति प्रदान कर उसे आत्म-निर्भर बनने का अवसर प्रदान करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि स्नेहा निश्चित ही शिक्षित होकर अपने परिवार को गौरवान्वित करेगी। आशा है आप मेरा यह अनुरोध स्वीकार करके उसे शीघ्र कॉलेज में प्रवेश दिलवा देंगे। आदरणीय चाची जी को मेरा सादर प्रणाम और स्नेहा को शुभ आशीर्वाद कहिएगा।

आपका भतीजा
अबस

अथवा

सेवा में
जिलाधिकारी
मेरठ
उत्तर प्रदेश
दिनांक.....

विषय- सरकारी राशन की दुकान के संचालन में अनियमितता की शिकायत हेतु।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र प्रीत नगर, मवाना, जिला – मेरठ में संचालित सरकारी राशन की दुकान की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। महोदय, सरकार द्वारा सरकारी राशन की दुकानों के संचालन का उद्देश्य गरीबों के लिए मुफ्त अथवा कम मूल्य पर अनाज उपलब्ध कराना होता है। किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि हमारे क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान का संचालक गरीबों के लिए आए अनाज की कालाबाजारी करता है। जब भी उपभोक्ता राशन लेने के लिए उसकी दुकान पर जाते हैं तो वह कुछ न कुछ बहाने बनाकर उन्हें निर्धारित राशन नहीं देता और बाजार में अधिक मूल्य पर उस अनाज की कालाबाजारी करता है। जब लोग उसे ऐसा करने से रोकते हैं या अपना विरोध प्रकट करते हैं तो वह उन्हें धमकाता है। इस संबंध में स्थानीय पुलिस चौकी में भी कई बार शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया गया किंतु कोई भी उचित कार्यवाही नहीं हुई।

मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया इस विषय में शीघ्र संज्ञान लेते हुए उक्त सरकारी राशन की दुकान के संचालक के विरुद्ध आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही करके स्थानीय निवासियों की इस समस्या का समाधान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद
दिनेश कुमार
प्रीतमनगर, मवाना
जिला मेरठ

6. (क) 6 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक विज्ञापन लगभग लगभग 50 शब्दों में (2.5 अंक के विज्ञापन की जाँच के लिए अंक विभाजन):

विषय-वस्तु	1 अंक
प्रस्तुति	1 अंक
भाषा	½ अंक

[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2.5×2=5

व्याख्यात्मक हल:

किराए के लिए खाली है

एक सुविधा-संपन्न आकर्षक फ्लैट
नेहरु कॉलोनी, देहरादून में, जिसमें दो बेडरूम, एक ड्राइंग रूम,
रसोईघर, पूजाघर, दो शौचालय, दो बालकनी
और सुन्दर बगीचा उपलब्ध है ।

24 घंटे बिजली, पानी की सुविधा,
दो वाहनों हेतु उचित पार्किंग की सुविधा है।
किराया- बीस हजार रु. प्रतिमाह

इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें : श्री अ.ब.स, 74, तिलक रोड, देहरादून, मो. 990000XXXX

अथवा

क्या आप की संगीत में रुचि है ? तो आइए और शीघ्र लाभ उठाइए इस सुअवसर का !

आपके नगर में खुल गया

सरस्वती संगीत कला केंद्र

योग्य अनुभवी और गुणी संगीत विशेषज्ञों द्वारा
संगीत गायन एवं तबला, सितार एवं हारमोनियम,
बाँसुरी आदि वाद्य-यंत्रों के प्रशिक्षण की सुविधा।

- विभिन्न आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग कक्षाएँ।
- उचित शुल्क एवं गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण।
- भातखंडे एवं प्रयाग संगीत समिति द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों की भी व्यवस्था।

इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें :

15/20, बड़ा बाजार, रामनगर, जिला - नैनीताल मो. 9800000XX

(ख)

सबल राष्ट्र का है आधार, नशा मुक्त हो सम्पूर्ण संसार
कुछ पलों का आनंद पड़ सकता है जीवन पर भारी
नशे की गंदी आदत है सबसे बड़ी बीमारी

सिगरेट, तंबाकू, मदिरा, गुटका एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से बचें

मादक द्रव्यों के सेवन के घातक दुष्परिणाम –

- *स्वास्थ्य की क्षति*
- *सामाजिक प्रतिष्ठा की हानि*
- *सड़क दुर्घटनाओं को निमंत्रण*
- *बिखरता परिवार*

'सामाजिक संस्था 'सबेरा'' द्वारा नशा-मुक्ति जागरूकता हेतु जनहित में जारी अपने प्रियजनों को नशे की जानलेवा लत से छुटकारा दिलवाने हेतु आज ही संपर्क करें। मो. 99XXXXXX

अथवा

आ गया सबसे कम कीमत में सबसे अधिक समय तक चार्ज रहने वाली बैटरी युक्त

स्मार्ट मोबाइल कंपनी का नया चमत्कार

न्यू वंडर स्मार्ट मोबाइल फोन एवं मैजिक मोबाइल फोन

आकर्षक रंगों एवं डिजाइनों में थ्री जी और फोर जी सुविधा के साथ उपलब्ध

आज ही अपने नजदीकी मोबाइल की दुकान पर जाइए और ले आइए अपना पसंदीदा फोन
सभी प्रमुख स्टोरों पर उपलब्ध मोबाइल डीलर सीधा कंपनी से संपर्क करें
और आकर्षक उपहारों का लाभ उठाएँ मो. 099XXXXXX

7. (क) 7 क और ख प्रश्नों में दिए गए दो-दो विषयों में से एक-एक संदेश लगभग लगभग 40 शब्दों में (2.5 अंक के संदेश लेखन की जाँच के लिए अंक विभाजन) :

रचनात्मक प्रस्तुति	1 अंक	
विषय-वस्तु	1 अंक	
भाषा	½ अंक	**[सी. बी. एस. ई. अंक योजना 2021-22]2.5×2=5**

व्याख्यात्मक हल:

बधाई सन्देश

10 अक्टूबर, 20xx प्रात: 10:30 बजे

प्रिय मित्र अभिनव

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने की हार्दिक बधाई और असंख्य शुभकामनाएँ। निश्चय ही यह तुम्हारी दृढ़ इच्छा शक्ति, अथक् परिश्रम और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। हम सभी मित्रों को तुम्हारी इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है। ईश्वर तुम्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्रदान करें।

सुधांशु

अथवा

बधाई सन्देश

दिनांक: 1 फरवरी, 20xx प्रात: 8 बजे

प्रिय मानव

'बाल वीरता पुरस्कार' से सम्मानित होने की अभूतपूर्व उपलब्धि की बहुत -बहुत बधाई। अपनी जान की परवाह न करके जिस प्रकार तुमने विद्यालय के चार विद्यार्थियों को डूबने से बचाया वह अतुलनीय है। इस साहसिक कार्य से तुमने अपने विद्यालय ही नहीं परिवार, समाज और राष्ट्र को भी गौरवान्वित किया है। सुखद भविष्य की असंख्य शुभकामनाएँ

तुम्हारा मित्र

अ ब स

(ख)

दिनांक: 12 सितम्बर, 20xx प्रात: 7 बजे

ओणम पर्व पर सजी रंगोली, घर-घर बनते हैं पकवान
आओ मिल-जुल पर्व मनाएँ, नौका दौड़, संगीत और गान

प्रिय मित्र

ओणम के पावन पर्व की आपको सपरिवार बधाई और मंगलकामनाएँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह पर्व हम सबके जीवन में उल्लास, समृद्धि एवं सुख-शांति लाए और सम्पूर्ण विश्व में प्रेम बंधुत्व के भाव का प्रसार करे।

तुम्हारा मित्र

रंजन

अथवा

दिनांक: 5 मई, 20xx प्रात: 6 बजे

आदरणीय भैया और भाभी जी

विवाह की प्रथम वर्षगाँठ की हार्दिक बधाई

प्रेम और विश्वास का बंधन यूँ ही बना रहे, हर पल खुश रहें आप, यह अवसर बार-बार आए।
हर मुश्किल में साथ एक दूसरे का रहे, ईश्वर का आशीर्वाद आप दोनों हर पल पाएँ।।

आपके सुखद भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ

आपका अग्रज : आपकी अनुजा

●●

हल प्रश्न पत्र, 2021-22

हिंदी 'अ'

सत्र-I, Set-4

Series : JSK/2	प्रश्न पत्र कोड : 003/2/4

निर्धारित समय : 90 मिनट **अधिकतम अंक : 40**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पूरी तरह से पालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 54 प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं— खंड—क, ख और ग।

(iv) खंड-क में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 1 से 20 में से 10 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(v) खंड-ख में 20 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 21 से 40 में से 16 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vi) खंड-ग में 14 प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या 41 से 54 तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

(vii) प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

(viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

(ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

खंड - क : अपठित गद्यांश

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: **(1 × 5 = 5)**

(अपठित गद्यांश-I)

बहुत से विद्वानों और चिंतकों ने इस बात को लेकर चिंता प्रकट की है कि भारतीय समाज आधुनिकता से बहुत दूर है और भारत के लोग अपने आप को आधुनिक बनाने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं।

नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म के समान आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं है। वह कई चीजों का एक सम्मिलित नाम है। औद्योगीकरण आधुनिकता की पहचान है। साक्षरता का सर्वव्यापी प्रसार आधुनिकता की सूचना देता है। नगर-सभ्यता का प्राधान्य आधुनिकता का गुण है। सीधी-सादी अर्थव्यवस्था मध्यकालीनता का लक्षण है। आधुनिक देश वह है, जिसकी अर्थव्यवस्था जटिल और प्रसारणशील हो और जो 'टेक-ऑफ' की स्थिति को पार कर चुकी हो।

आधुनिक समाज मुक्त और मध्यकालीन समाज बंद होता है। बंद समाज वह है जो अन्य समाजों से प्रभाव ग्रहण नहीं करता, जो अपने सदस्यों को भी धन या संस्कृति की दीर्घा में ऊपर उठने की खुली छूट नहीं देता, जो जाति-प्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है, जो अंधविश्वासी, गतानुगतिक और संकीर्ण है।

आधुनिक समाज में उन्मुक्तता होती है। उस समाज के लोग अन्य समाजों के लोगों से मिलने-जुलने में नहीं घबराते, न वे उन्नति का मार्ग खास जातियों और खास गोत्रों के लिए सीमित रखते हैं। आधुनिक समाज सामरिक दृष्टि से भी बलवान समाज होता है। जो देश अपनी रक्षा के लिए भी लड़ने में असमर्थ है, उसे आधुनिक कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। आधुनिक समाज के लोग आलसी और निकम्मे नहीं होते। आधुनिक समाज का एक लक्षण यह भी है कि उसकी हर आदमी के पीछे होने वाली आय अधिक होती है, उसके हर आदमी के पास कोई धंधा या काम होता है और अवकाश की शिकायत प्रायः हर एक को रहती है।

1. गद्यांश के आधार पर सही तथ्य को चुनिए। **1**

(a) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज खुला होता है।

(b) आधुनिक समाज बंद तथा मध्यकालीन समाज मुक्त होता है।

(c) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है।

(d) आधुनिक समाज उन्मुक्त तथा मध्यकालीन समाज जड़ होता है।

2. शाश्वत मूल्यों में शामिल हैं— **1**

(a) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म

(b) नैतिकता, सौंदर्यबोध और आधुनिकता

(c) नैतिकता, अध्यात्म और आधुनिकता

(d) सौंदर्यबोध, अध्यात्म और आधुनिकता

3. विद्वानों और चिंतकों ने किस बात के ऊपर चिंता व्यक्त की है? **1**

(a) भारतीय समाज से आधुनिकता अभी बहुत दूर है।

(b) भारतीय समाज से न सिर्फ आधुनिकता दूर है बल्कि उसको लाने के प्रयास भी नहीं हो रहे।

(c) भारतीय समाज एक पारंपरिक समाज है जिसमें आधुनिकता अभी नहीं आ सकेगी।

(d) वैसे तो भारतीय समाज से आधुनिकता दूर है पर उसे जानने के प्रयास अवश्य हो रहे हैं।

4. आधुनिक समाज की विशिष्टताओं में शामिल है— **1**

(क) उन्मुक्तता (ख) सामरिक बल (ग) आलस्य

उपरोक्त विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए:

(a) (क), (ख) और (ग) तीनों

(b) (क) और (ग)

(c) (ख) और (ग)

(d) (ख) और (क)

5. एक बंद समाज की विशेषताओं में किसे नहीं रखा जाएगा? **1**

(a) अन्य समाजों से प्रभाव ग्रहण नहीं करना।

(b) जाति-प्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित रहना।

(c) धन या संस्कृति के क्षेत्र में खुली छूट देना।

(d) अंधविश्वासी, पिछड़ा और संकीर्ण होना।

अथवा

(अपठित गद्यांश- II)

बंगाल की शस्य-श्यामला धरती का सौंदर्य अविस्मरणीय है। इसके मनोहर और उन्मुक्त सौंदर्य को प्रतिभाशाली रचनाकार अपने गीतों, निबंधों और कविताओं में बाँधने की कोशिश करते रहते हैं लेकिन इसके मायावी और लोकोत्तर आकर्षण का रंच मात्र ही वे रूपायित करने में सफल हो पाए हैं। अविभाजित बंगाल का सौंदर्य किसी भी संवेदनशील मस्तिष्क के भीतर हलचल पैदा कर सकता है। चाँदी सी चमकती मीलों लंबी नहरों और नदियों के बीच पन्नों की तरह चमकते हरे-भरे खेतों के चित्र संवेदनशील मन को अपूर्व आनंद से भर देते हैं। हरे-भरे खेतों में पके दानों की लहलहाती सुनहरी फसल, हवा में फुसफुसाते लंबे ताड़ के वृक्ष और साल की पत्तियों की बहती हुई मंद-मंद हवा, कंचनजंघा के उत्तुंग शिखर, सुंदरवन के घने जंगल, दीघा के सुंदर रेतीले समुद्र तट और उत्तर बंगाल के हरे-भरे चाय के बागान आँखों में रचे बसे रहते हैं। प्राकृतिक छटाओं से भरी-पूरी यह धरती युगों से महान लेखकों, कवियों और कलाकारों को प्रेरित करती रही है। इस अनोखे वरदान के केवल वही पात्र हैं जिन्हें इस धरती पर पैदा होने का सौभाग्य मिला है अथवा वे हैं जो अविभाजित बंगाल में रह चुके हैं।

6. किसी संवेदनशील मन को अपूर्व आनंद से भर देते हैं? **1**

(a) नदियों, नहरों और खेतों के चित्र

(b) नदियों, समुद्रों और हीरे-पन्ने के दृश्य

(c) चाँदी की चमक और पन्नों की हरियाली

(d) फसलों और पेड़ों के मिले-जुले दृश्य

7. लेखक की दृष्टि में बंगाल की शस्य-श्यामला धरती का सौंदर्य कैसा नहीं है? **1**

(a) अविस्मरणीय **(b)** मायावी

(c) आकर्षक **(d)** असामान्य

8. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म गद्यांश के आधार पर सही है? **1**

(a) फसल : घनी **(b)** समुद्र तट : रेतीले

(c) कंचनजंघा : मंद हवा **(d)** चाय बागान : सुनहरे

9. बंगाल की भूमि के विषय में कथन और कारण की सत्यता परखिए: **1**

कथन : यह धरती युगों से महान लेखकों, कवियों और कलाकारों को प्रेरित करती रही है।

कारण : यह धरती युगों से प्राकृतिक छटाओं से भरपूर है।

(a) कथन और कारण दोनों असत्य हैं।

(b) कथन और कारण दोनों सत्य हैं।

(c) कथन सत्य पर कारण असत्य है।

(d) कथन असत्य पर कारण सत्य है।

10. इस गद्यांश का केंद्रीय-विषय है **1**

(a) बंगाल के जादू को बताना

(b) अविभाजित बंगाल की धरती का सौंदर्य

(c) बंगाल में बिताए दिनों की याद

(d) प्रकृति का मनुष्य के ऊपर पड़ने वाला प्रभाव

II. नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: **(1 × 5 = 5)**

(अपठित काव्यांश-I)

चमड़े का रंग मनुष्य-मनुजता को बाँटे
है गर्व तुम्हें जो अपनी उज्ज्वल सफेदी पर
यह है जघन्य अपमान प्रति का, मानव का
वह मिथ्या है, छल है, घमंड है चेहरे का
धरती पर घृणा जिए, मर जाए प्रीति प्यार
रंगों का राजा तो है रंग भीतर वाला
यह धर्म मनुज का नहीं, धर्म दानव का!
बाहरी रंग तो द्वारपाल है पहरे का।
हा! प्रेम-नाम ही है रे जिसका महाकाव्य
दुनिया ऐसी तस्वीर कि जिसके खाके में
यदि वही नहीं तो जीवन का क्या अर्थ यहाँ
आधी गोराई तो आधी कजलाई है,
यदि वही नहीं तो सृष्टि सभ्यता जड़ मृत है
पाँवों के नीचे यदि गौर वर्ण वसुधा
यदि वही नहीं तो ज्ञान सकल है व्यर्थ यहाँ।
तो सिर पर श्याम गगन की छाया छाई है।

11. काव्यांश में मुख्य रूप में किस समस्या का उल्लेख किया गया है? **1**

(a) लिंगभेद **(b)** असमानता

(c) रंगभेद **(d)** गैर-बराबरी

12. कवि के अनुसार जीवन व्यर्थ कब होता है? 1
(a) प्रेम नहीं होने पर (b) मनुष्यता से हीन होने पर
(c) सभ्यता के जड़ होने पर (d) ज्ञान से विहिन होने पर

13. उज्ज्वल सफेदी पर गर्व क्या है? 1
(a) सदियों की परंपरा का पालन
(b) बाजार का दबाव और रंगभेद
(c) मिथ्या, छल और अभिमान
(d) सत्य, अभिमान और यकीन

14. कवि कहता है 'रंगों का राजा तो है रंग भीतर वाला'- भीतर वाले रंग का क्या तात्पर्य है? 1
(a) व्यक्तित्व का आकर्षण (b) वास्तविक खूबसूरती
(c) व्यक्तिगत आचरण
(d) आंतरिक गुण और स्वभाव

15. गोरे और काले वर्ण के लिए प्रकृति से कौन सा प्रतीक दिया गया है? 1
(a) राधा और कृष्ण का (b) धरती और आसमान का
(c) नदियों और सागर का (d) मनुज और दानव का

अथवा

(अपठित काव्यांश-II)

मैं जब लौटा तो देखा
सहता जल का समस्त कोलाहल-
पोटली में बँधे हुए बूँटों ने
सूख गए हैं नीम के दातौन
फेंके हैं अंकुर
और पोटली में बँधे हुए बूँटों ने फेंके हैं अंकुर
दो दिनों के बाद आज लौटा हूँ वापस
निर्जन घर में जीवन की जड़ों को
अज़ीब गंध है घर में
पोसते रहे हैं ये अंकुर
किताबों, कपड़ों और निर्जन हवा की
खोलता हूँ खिड़की-
फेंटी हुई गंध
और चारों ओर से दौड़ती है हवा
पड़ी है चारों ओर धूल की एक परत और
मानो इसी इंतजार में खड़ी थी पल्लों से सट के
जकड़ा है जग में बासी जल
पूरे घर को जल भरी तसली-सा हिलाती
जीवन की कितनी यात्राएँ करता रहा यह निर्जन मकान
मुझसे बाहर मुझसे अनजान
मेरे साथ
जारी है जीवन की यात्रा अनवरत
तट की तरह स्थिर पर गतियों से भरा
बदल रहा है संसार

16. घर में किस प्रकार की गंध पसरी हुई थी? 1
(a) बासी खाद्य पदार्थों की (b) निर्जनता और बंद हवा की
(c) किताबों और धूल की (d) अंकुरित चने की

17. पोटली में बँधे चनों के अंकुरित होने का क्या अर्थ है? 1
(a) जीवन के बच जाने का
(b) उर्वरता और नव-जीवन का
(c) संभावनाओं के विस्तार का
(d) फसल बोने का समय हो गया

18. मकान जड़ और एक स्थान पर स्थिर होने के बाद भी कवि की यात्राओं की गतिशीलता में सहयात्री है— 1
यह भाव किस पंक्ति में है?
(a) निर्जन घर में जीवन की जड़ों को/पोसते रहे हैं ये अंकुर
(b) अजीब गंध है घर में/किताबों, कपड़ों और निर्जन हवा की
(c) तट की तरह स्थिर पर गतियों से भरा
(d) पूरे घर को जल भरी तसली-सा हिलाती

19. काव्यांश की शैली किस प्रकार की है? 1
(a) चित्रात्मक (b) विवरणात्मक
(c) कथात्मक (d) वर्णनात्मक

20. कवि के दो दिनों के बाद घर में लौटने पर घर की जो स्थिति है उससे कौन-सी बात स्पष्ट रूप से कही जा सकती है? 1
(a) कवि का घर किसी निर्जन स्थान पर है।
(b) कवि के घर में बहुत बेतरतीबी फैली रहती है।
(c) कवि की अनुपस्थिति में किसी ने घर की सफाई नहीं की।
(d) कवि अपने घर में अकेला है और उसके न होने पर घर निर्जन था।

खंड - ख : व्यावहारिक व्याकरण

निर्देश: प्रश्न-III से प्रश्न-VI तक के सभी प्रश्नों में पाँच-पाँच उप-प्रश्न दिए गए हैं। उनमें से प्रत्येक से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

III. वाक्य (रचना) पर आधारित केवल 4 प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

21. ''मूर्ति की आँखों पर एक चश्मा रखा था जो सरकंडे से बना था।'' - रचना के आधार पर प्रस्तुत वाक्य का भेद होगा— 1
(a) मिश्र वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) सरल वाक्य (d) कठिन वाक्य

22. निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य सरल वाक्य नहीं है? 1
(a) अंतरा अपने विद्यालय नहीं जाने के बारे में बता रही थी।
(b) अंतरा विद्यालय न जाने के कारण पर बात कर रही थी।
(c) अंतरा विद्यालय नहीं गई पर क्यों यह पता नहीं।
(d) अंतरा ने किसी को अपने विद्यालय न जाने के बारे में नहीं बताया।

23. 'जब बालगोबिन भगत खेतों में रोपाई कर रहे थे, तब लोग उन्हें कनखियों से देख रहे थे'- यहाँ रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद होगा? 1
(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) क्रिया आश्रित उपवाक्य

24. उन्होंने विश्वभर में प्रसिद्ध हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया- प्रस्तुत वाक्य का रूपांतरित संयुक्त वाक्य होगा— **1**

(a) उन्होंने हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश तैयार किया जो विश्वभर में प्रसिद्ध है।

(b) उन्होंने जो हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश तैयार किया वह विश्वभर में प्रसिद्ध हो गया।

(c) जो विश्वभर में प्रसिद्ध है, उस हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश को उन्होंने तैयार किया।

(d) उन्होंने हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया और वह विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ।

25. निम्नलिखित में मिश्र वाक्य का उदाहरण है: **1**

(a) उसने परिश्रम किया और उसे सफलता भी मिली।

(b) परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है।

(c) जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा।

(d) परिश्रम करने और सफल होने में सीधा संबंध है।

IV. वाच्य-आधारित चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

26. ''अध्यापक द्वारा कक्षा का जायज़ा लिया गया''। - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य है— **1**

(a) कर्तृवाच्य **(b)** कर्मवाच्य

(c) भाववाच्य **(d)** करणवाच्य

27. निम्नलिखित वाक्यों में कौन सा कर्मवाच्य नहीं है? **1**

(a) प्रश्न पूछा गया। **(b)** सुंदर गीत लिखे हैं।

(c) फल खाए गए। **(d)** पाठ पढ़ाया जाता है।

28. 'हमसे इतनी तकलीफ सही नहीं जाती'- कर्तृवाच्य में बदलने पर होगा— **1**

(a) हमारे द्वारा इतनी तकलीफ सही नहीं जाती।

(b) हमसे इतनी तकलीफ कैसे सही जाएगी?

(c) हम इतनी तकलीफ नहीं सह सकते।

(d) हमसे इतनी तकलीफ कैसे नहीं सही जाएगी?

29. निम्नलिखित में कौन-सा कर्तृवाच्य का उदाहरण है? **1**

(a) तुलसीदास के द्वारा रामचरितमानस की रचना की गई।

(b) तुलसीदास से रामचरितमानस रचा गया।

(c) तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस रची गई।

(d) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की।

30. 'राधा अब उठ-बैठ सकती है'- इस वाक्य का भाववाच्य में रूपांतरण होगा— **1**

(a) राधा से अब उठा-बैठा जाता है।

(b) राधा ने अब उठना-बैठना सीख लिया है।

(c) राधा अब से उठ-बैठ सकती है।

(d) क्या राधा से उठा जा सकता है?

V. पद संबंधी किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए: (1 × 4 = 4)

31. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है? **1**

(a) मेरी बहन एक कहानी पढ़ती है।

(b) मेरी बहन एक उपन्यास पढ़ रही है।

(c) मेरी बहन एक अच्छे विद्यालय में पढ़ती है।

(d) मेरी बहन एक दिलचस्प पुस्तक पढ़ती है।

32. यह मेरा पसंदीदा रेस्तरां है- रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(a) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'रेस्तरां' विशेष्य

(b) सर्वनाम, निश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(c) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(d) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

33. उफ! 'क्या सोचा था क्या हो गया' में रेखांकित पद का परिचय होगा— **1**

(a) विस्मयादिबोधक, प्रसन्नता सूचक

(b) विस्मयादिबोधक, शोक सूचक

(c) विस्मयादिबोधक, अचरज सूचक

(d) विस्मयादिबोधक, घृणा सूचक

34. ''मन की कोमलता अक्सर चोट खा जाती है'' - में रेखांकित पद का परिचय होगा— **1**

(a) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(b) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'मन' विशेष्य

(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(d) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

35. घर के साथ ही एक बगीचा होता था- रेखांकित पद का परिचय होगा- **1**

(a) संबंधबोधक, अव्यय, घर और बगीचे के बीच संबंध दर्शा रहा है।

(b) समुच्चयबोधक, अव्यय, घर और बगीचे को जोड़ना

(c) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'होता था' की विशेषता

(d) निपात

VI. 'रस' पर आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। (1 × 4 = 4)

36. हास्य रस का स्थायी भाव है- **1**

(a) विस्मय **(b)** हास

(c) रति **(d)** हस

37. ''मन रे तन कागद का पुतला **1**
लागै बूँद बिनसि जाय छिन में
गरब करै क्या इतना''- इन पंक्तियों में कौन सा रस है?

(a) वीर रस **(b)** अद्‌भुत रस

(c) शांत रस **(d)** भयानक रस

38. क्रोध किस रस का स्थायी भाव है? **1**

(a) करुण रस **(b)** रौद्र रस

(c) शांत रस **(d)** वीर रस

39. निम्नलिखित में कौन-सा शृंगार रस का उदाहरण है? **1**

(a) सूख गया रस श्याम गगन का एक घूँट विष जग का पीकर।
ऊपर ही ऊपर जल जाते सृष्टि-ताप से पावस सीकर!

(b) सच मान, प्रेम की दुनिया में मौत नहीं, विश्राम नहीं
सूरज जो डूबे इधर कभी तो जाकर उधर निकलते थे।

(c) वो स्नेह करेंगे एक दिन सबसे
उनसे जिनसे तुमने सिखाया नफरत करना

(d) और तबसे नाम मैंने है लिखा ऐसे
कि, सचमुच, सिंधु की लहरें न उसको पाएँगी
फूल में सौरभ, तुम्हारा नाम मेरे गीत में है।

40. रस निष्पत्ति के लिए किन-किन की आवश्यकता होती है? 1
(a) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव
(b) विभाव, अनुभाव, स्थायी भाव
(c) अनुभाव, स्थायी भाव, संचारी भाव
(d) विभाव, संचारी भाव और स्थायी भाव

खंड - ग : पाठ्य-पुस्तक पर आधारित

VII. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: (1 × 5 = 5)

कातिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सवेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर। वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे मिंडे पर अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ। किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत कटकटानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा शुक्रतारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम होता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था और उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता अब खड़े हो जाएँगे।

41. प्रस्तुत गद्यांश में किस माह का उल्लेख नहीं हुआ है? 1
(a) आश्विन
(b) कातिक
(c) फागुन
(d) माघ

42. बालगोबिन भगत गाते-गाते मस्त हो जाते, सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते से आप क्या समझते हैं? 1
(a) जाड़े के कारण काँपने लगना
(b) संगीत के आनंद में डूब नहीं पाना
(c) साहब की प्रसन्नता के लिए गाना
(d) गाने की धुन में खुद की सुध-बुध खो देना।

43. भगत के विषय में इनमें से कौन-सी बात ठीक नहीं है?1
(a) वह सवेरे ही जगकर गाँव से दो मील दूर नदी-स्नान के लिए जाते थे।
(b) गाँव के बाहर पोखर के ऊँचे मिंडे पर बैठ कबीर के पद गाते थे।
(c) बहुत अधिक सर्दी में उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर चल नहीं पाती थीं।
(d) भगत पूरब की ओर मूँह किए काली कमली ओढ़कर बैठते थे।

44. लेखक ने अपनी दिनचर्या के बारे में अलग से रेखांकित करने वाली कौन सी बात बतायी है? 1
(a) वह रोज सुबह जल्दी उठ जाते थे।
(b) वह शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति हैं।
(c) आमतौर पर वे जल्दी उठ जाने वाले व्यक्ति हैं।
(d) जाड़े के मौसम में वे देर तक सोते हैं।

45. 'पूरब में लोही लग गई थी' - वाक्य का अर्थ है- 1
(a) पूरब में सूरज पूरा निकल गया।
(b) पूरब दिशा में चाँद खूब चमक रहा है।
(c) शुक्र तारे की चमक आसमान में बढ़ रही है।
(d) पूरब में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा है।

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनिए: (1 × 2 = 2)

46. हालदार साहब ने कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने के जो अनुमान लगाए उनमें कौन-सा सही नहीं है? 1
(a) उसे नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है।
(b) उसे अपने चश्मों का विज्ञापन करने के लिए मूर्ति उपयुक्त लगती होगी।
(c) उसे नेताजी की बिना चश्में वाली मूर्ति आहत करती है।
(d) उसे लगता कि नेताजी को बिना चश्में के असुविधा हो रही होगी। 1

47. नेताजी की मूर्ति किससे बनी थी?
(a) लाल पत्थर (b) ग्रेनाइट
(c) संगमरमर (d) प्लास्टर ऑफ पेरिस

IX. निम्नलिखित पठित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: (1 × 5 = 5)

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुर रिनु रहा सोचु बड़ जी कें।।
सो जनु हमरेहि माथे काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरत देउँ मैं थैली खोली।
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखावहु मोही। बिप्र बिचारि बचउँ नृपद्रोही।।
मिले न कबहुँ सुभट रन गाढ़े। द्विज देवता घरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सब लोग पुकारे। रघुपति सयनहिं लखनु नेवारे।।

48. लक्ष्मण जब परशुराम को व्यंग्य में कह रहे हैं कि आप माता-पिता के ऋण से अच्छी तरह उऋण हुए तो इसके पीछे क्या कारण है? 1
(a) परशुराम अपने माता-पिता के सम्मान का माध्यम बने।
(b) परशुराम ने अपने माता-पिता को सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य प्रदान किया।
(c) परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बने।
(d) परशुराम अपने माता-पिता के लिए अपयश लाने वाले बने।

49. लक्ष्मण के कड़वे वचनों को सुन परशुराम ने कौन-सी प्रतिक्रिया की? **1**

(a) अपने परशु को संभाल कर आगे बढ़े।

(b) अपने स्थान पर अवाक खड़े रहे।

(c) आगे बढ़कर लक्ष्मण पर वार किया।

(d) विश्वामित्र से शिकायत करते हुए बोले।

50. लक्ष्मण का परशुराम के प्रति व्यवहार है— **1**

(a) आदरसूचक **(b)** अपमानजनक

(c) सम्मानजनक **(d)** कुटिलता-भरा

51. परशुराम को 'भृगुबर' क्यों कहा जा रहा है? **1**

(a) उनके क्रोधी स्वभाव के कारण।

(b) उनके बल और पराक्रम के कारण।

(c) उनके परशु का नाम था।

(d) वे भृगु ऋषि के वंशज थे।

52. 'को नहिं जान बिदित संसारा' का तात्पर्य है— **1**

(a) संसार भर से यह बात छिपी है।

(b) संसार भर में इसे कौन नहीं जानता?

(c) संसार से यह बात लगभग विलुप्त है।

(d) संसार में किसे अपनी जान प्रिय नहीं है।

X. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए: **(1 × 2 = 2)**

53. गोपियाँ उद्धव के योग-संदेश को सुन योग को किसके लिए उपयुक्त बताती हैं? **1**

(a) अत्यधिक चतुर और विद्वान के लिए।

(b) अस्थिर मन वाले लोगों के लिए।

(c) जिनकी मति फिर गई हो उनके लिए।

(d) संत, महात्मा और ज्ञानी मनुष्यों के लिए।

54. गोपियों को 'कड़वी ककड़ी' के समान क्या प्रतीत हो रहा था? **1**

(a) कृष्ण से वियोग **(b)** कृष्ण की राजनीति

(c) उद्धव की बातें **(d)** योग का संदेश

❑❑❑

उत्तरमाला

खंड - क : अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश-I

I. उत्तर 1. (c) आधुनिक समाज मुक्त तथा मध्यकालीन समाज बंद होता है। **1**

उत्तर 2. (a) नैतिकता, सौंदर्यबोध और अध्यात्म **1**

उत्तर 3. (b) भारतीय समाज से न सिर्फ आधुनिकता दूर है बल्कि उसको लाने के प्रयास भी नहीं हो रहे। **1**

उत्तर 4. (d) (ख) और (क) **1**

उत्तर 5. (c) धन या संस्कृति के क्षेत्र में खुली छूट देना। **1**

अथवा

अपठित गद्यांश-II

उत्तर 6. (a) नदियों, नहरों और खेतों के चित्र **1**

उत्तर 7. (d) असामान्य **1**

उत्तर 8. (b) समुद्र तट : रेतीले **1**

उत्तर 9. (b) कथन और कारण दोनों सत्य हैं। **1**

उत्तर 10. (b) अविभाजित बंगाल की धरती का सौंदर्य **1**

अपठित काव्यांश-I

II. उत्तर 11. (c) रंगभेद **1**

उत्तर 12. (a) प्रेम नहीं होने पर **1**

उत्तर 13. (c) मिथ्या, छल और अभिमान **1**

उत्तर 14. (d) आंतरिक गुण और स्वभाव **1**

उत्तर 15. (b) धरती और आसमान का **1**

अथवा

अपठित काव्यांश-II

उत्तर 16. (c) किताबों और धूल की **1**

उत्तर 17. (b) उर्वरता और नव-जीवन का **1**

उत्तर 18. (a) निर्जन घर में जीवन की जड़ों को/पोसते रहे हैं ये अंकुर **1**

उत्तर 19. (a) चित्रात्मक **1**

उत्तर 20. (d) कवि अपने घर में अकेला है और उसके न होने पर घर निर्जन था। **1**

खंड - ख : व्यावहारिक व्याकरण

III. उत्तर 21. (a) मिश्र वाक्य **1**

> ***व्याख्या:*** यह मिश्र वाक्य है क्योंकि इसमें एक प्रधान वाक्य और एक विशेषण आश्रित उपवाक्य है।

उत्तर 22. (c) अंतरा विद्यालय नहीं गई पर क्यों यह पता नहीं। **1**

> ***व्याख्या:*** यह संयुक्त वाक्य का उदाहरण है।

उत्तर 23. (b) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य **1**

> ***व्याख्या:*** यह क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य है क्योंकि इसमें 'देखना' क्रिया की विशेषता (काल/समय) का बोध हो रहा है।

उत्तर 24. (d) उन्होंने हिंदी-अंग्रेज़ी शब्दकोश तैयार किया और वह विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ। **1**

> ***व्याख्या:*** इस सरल वाक्य का संयुक्त वाक्य में उचित रूपांतरण होगा विकल्प (D) क्योंकि इसमें 'और' योजक द्वारा दो सरल वाक्यों को जोड़ा गया है।

उत्तर 25.(c) जिसने भी परिश्रम किया वह अवश्य सफल होगा। **1**

व्याख्या: क्योंकि इसमें एक प्रधान और एक आश्रित उपवाक्य है। यह मिश्र वाक्य का उदाहरण है।

IV. **उत्तर 26.(b)** कर्मवाच्य **1**

व्याख्या: इस वाक्य में 'कर्म' की प्रधानता है तथा क्रिया का विधान कर्म के अनुसार हो रहा है।

उत्तर 27.(b) सुंदर गीत लिखे हैं। **1**

व्याख्या: यह कर्तृ वाच्य का उदाहरण है।

उत्तर 28.(c) हम इतनी तकलीफ नहीं सह सकते। **1**

व्याख्या: क्योंकि इस वाक्य में क्रिया का विधान कर्ता के अनुसार हो रहा है अत: दिए गए वाक्य को कर्तृ वाच्य में बदलने पर बनने वाला वाक्य विकल्प (c) होगा।

उत्तर 29.(d) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की। **1**

व्याख्या: इस वाक्य में कर्ता की प्रधानता है और क्रिया का विधान कर्ता के अनुसार हो रहा है जबकि अन्य तीन वाक्य कर्म वाच्य के उदाहरण हैं।

उत्तर 30.(a) राधा से अब उठा-बैठा जाता है। **1**

व्याख्या: इसका सही विकल्प (A) है क्योंकि यहाँ भाव की प्रधानता है और यह दिए गए वाक्य का उचित रूपांतरण है। वाक्य का रूपांतरण करते समय वाक्य का अर्थ भी वही है।

V. **उत्तर 31. (c)** मेरी बहन एक अच्छे विद्यालय में पढ़ती है। **1**

व्याख्या: इस वाक्य में अकर्मक क्रिया है जबकि अन्य तीनों वाक्यों में सकर्मक क्रिया है। अत: विकल्प (c) सही है।

उत्तर 32.(b) सर्वनाम, निश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन **1**

व्याख्या: दिए गए वाक्य में 'यह' पद से निश्चय वाचक सर्वनाम का बोध हो रहा है। यह पुल्लिंग और एकवचन है।

उत्तर 33.(b) विस्मयादिबोधक, शोक सूचक **1**

व्याख्या: यह पद अव्यय-विस्मयादिबोधक वाक्य है और इससे शोक का भाव प्रकट हो रहा है।

उत्तर 34.(a) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक **1**

व्याख्या: 'कोमलता' पद भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, कर्मकारक और एक वचन है। अत: विकल्प (a) सही है।

उत्तर 35.(a) संबंधबोधक, अव्यय, घर और बगीचे के बीच संबंध दर्शा रहा है। **1**

व्याख्या: यहाँ 'के साथ' पद संबंधबोधक अव्यय है जो घर और बगीचे के बीच संबंध को दर्शा रहा है।

VI. **उत्तर 36.(b)** हास **1**

व्याख्या: हास्य रस का स्थायी भाव 'हास' है।

उत्तर 37.(c) शांत रस **1**

व्याख्या: यह शांत रस का उदाहरण है।

उत्तर 38.(b) रौद्र रस **1**

व्याख्या: क्रोध रौद्र रस का स्थायी भाव है।

उत्तर 39.(d) और तबसे नाम मैंने है लिखा ऐसे
कि, सचमुच, सिंधु की लहरें न उसको पाएँगी
फूल में सौरभ, तुम्हारा नाम मेरे गीत में है। **1**

व्याख्या: इन काव्य पंक्तियों में नायक अथवा नायिका की प्रेमानुभूति की अभिव्यक्ति का सुन्दर चित्रण होने के कारण यहाँ शृंगार रस है।

उत्तर 40.(a) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव **1**

व्याख्या: रस निष्पत्ति के लिए विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की आवश्यकता होती है।

खंड - ग : पाठ्य-पुस्तक पर आधारित

VII. **उत्तर 41.(a)** आश्विन **1**

व्याख्या: इस गद्यांश में कार्तिक, माघ, और फाल्गुन माह का उल्लेख है किन्तु आश्विन माह का उल्लेख नहीं है।

उत्तर 42.(d) गाने की धुन में खुद की सुध-बुध खो देना। **1**

व्याख्या: बालगोबिन भगत कबीर के भजन गाते-गाते इतने तन्मय हो जाते थे कि अपनी भी सुध-बुध खो देते थे।

उत्तर 43.(c) बहुत अधिक सर्दी में उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर चल नहीं पाती थीं। **1**

व्याख्या: यह कथन उचित नहीं है क्योंकि भयंकर सर्दी में भी भजन गाते समय भगत की उंगलियाँ खँजड़ी पर बराबर चलती रहती थीं।

उत्तर 44.(b) वह शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति हैं। **1**

व्याख्या: लेखक को सुबह जल्दी उठने की आदत नहीं थी। वे शुरू से ही देर तक सोने वाले व्यक्ति थे।

उत्तर 45.(d) पूरब में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा है। **1**

व्याख्या: पूरब में लोही लगने का अभिप्राय पूरब (पूर्व) दिशा में सूर्य निकलने से पहले की लालिमा से है।

VIII.उत्तर 46. (b) उसे अपने चश्मों का विज्ञापन करने के लिए मूर्ति उपयुक्त लगती होगी। **1**

व्याख्या: यह अनुमान गलत है क्योंकि चश्मे वाला अपने चश्मों का विज्ञापन करने की भावना से नहीं वरन देश-प्रेम की भावना से ओतप्रोत होने के कारण नेता जी की चश्मा विहीन मूर्ति पर चश्मा लगाता था।

उत्तर 47.(c) संगमरमर **1**

व्याख्या: नेताजी की मूर्ति संगमरमर से बनी थी।

IX. उत्तर 48.(c) परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बने। **1**

व्याख्या: परशुराम अपने माता-पिता की मृत्यु का कारण बन गए थे अत: विकल्प (C) सही है।

उत्तर 49.(a) अपने परशु को संभाल कर आगे बढ़े। **1**

व्याख्या: लक्ष्मण की कटु व्यंग्योक्तियों को सुनकर परशुराम क्रोधित हो गए और अपना परशु संभाल कर आगे बढ़े।

उत्तर 50.(b) अपमानजनक **1**

व्याख्या: परशुराम के प्रति लक्ष्मण का व्यवहार अपमानजनक था।

उत्तर 51.(d) वे भृगु ऋषि के वंशज थे। **1**

व्याख्या: परशुराम भृगु वंश में श्रेष्ठ भृगु ऋषि के वंशज थे।

उत्तर 52.(b) संसार भर में इसे कौन नहीं जानता? **1**

व्याख्या: इस पंक्ति का तात्पर्य है- इस बात को संसार में कौन नहीं जानता? अर्थात् यह बात पूरे संसार को ज्ञात है।

X. उत्तर 53.(b) अस्थिर मन वाले लोगों के लिए। **1**

व्याख्या: गोपियाँ उद्धव से कहती हैं कि हमारा चित्त तो श्री कृष्ण के प्रति एकाग्र है अत: तुम अपना यह योग का ज्ञान अस्थिर मन वाले व्यक्तियों को दो।

उत्तर 54.(d) योग का संदेश **1**

व्याख्या: गोपियों को योग का ज्ञान कड़वी - ककड़ी के समान त्याज्य (त्यागने-योग्य) अथवा न ग्रहण करने योग्य प्रतीत हो रहा था।

❑❑❑

Term – I

OMR SHEET

Booklet Series
A

Use English Numbers / Letters only. Use Blue / Black Ball Point Pen to write in box.

Booklet Series: Ⓐ Ⓑ Ⓒ Ⓓ

Roll Number: 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9

Subject

Name

Test Date

Student's Signature

Invigilator's Signature

Certified that all the entries in this section have been properly filled by the student

Proper Marking

The OMR Sheet will be computer checked Fill the circles completely and dark enough for proper detection, Use ballpen (black or blue) for marking.

Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ

Avoid Improper Marking

Partially Filled

Lightly Filled

Test Center Code: 0 1 2 3 4 5 6 7 8 9

IMPORTANT

The candidate should check that the Test Book Series printed on the OMR Sheet is the same as printed on the Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of both the Test Booklet and the Answer Sheet.

Darken the circle for each question.

Q.No.	Response
	खण्ड – क
01	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	अथवा
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
02	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
	अथवा
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	खण्ड – ख
03	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
04	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
05	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
06	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
	खण्ड – ग
07	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ

Q.No.	Response
08	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
09	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ
(iii)	क ख ग घ
(iv)	क ख ग घ
(v)	क ख ग घ
10	
(i)	क ख ग घ
(ii)	क ख ग घ